पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन

शिक्षा विद्यापीठ एवं महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

द्वारा आयोजित कार्यशाला

गांधी सिद्धांत एवं अभ्यास

17- 23 दिसंबर 2019

संप्रत्यात्मक पृष्ठभूमि

महात्मा गांधी के जीवन के विभिन्न आयामों- सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, शिक्षा इत्यादि में कोई अलगाव नहीं देखा जा सकता। सभी के लिए बुनियादी जरूरतों की पूर्ति की संकल्पना, शरीर-श्रम, श्रम की पवित्रता, स्वावलंबन एवं परस्पर सहयोग, कृषि एवं कृषि आधारित उद्योगों, हस्तशिल्प एवं कला आधारित अर्थव्यवस्था तथा इन पर आधारित शिक्षा आदि को आधार बनाकर महात्मा गांधी ने एक ऐसी समाज व्यवस्था और सामूहिक जीवन पद्धति को प्रस्तुत किया जिसमें व्यक्ति एवं समाज का कल्याण एवं सर्वांगीण विकास हो सके।

महात्मा गांधी ने सम्पूर्ण जीवन में *अहिंसा दृष्टि*- के आधार पर चीजों को समझा व अपने विचार प्रस्तुत किए। उनकी यह अहिंसा-दृष्टि एक विकसनशील दृष्टि भी थी जो जीवन के हर नए अनुभवों से नवीन रूप व आयाम ग्रहण करती थी। गांधी जी की जीवन-दृष्टि को उसकी संपूर्णता में ही समझा जा सकता है। इस जीवन-दृष्टि के अनुसार जीवन समग्र है। अत: जीवन के विभिन्न आयामों को संचालित करने वाले नियम समान होने चाहिए। जीवन को समग्रता में देखने के कारण ही उन्होंने जीवन के विभिन्न आयामों को अहिंसा दृष्टि से संचालित करने का प्रयास किया। अहिंसा दृष्टि के कारण ही समाज की समस्याओं देखने और समाधानों के प्रति उनकी दृष्टि अन्य विचारकों की तुलना में भिन्न थी। वह समाज को संपूर्ण आंगिक रूप (Organic Whole) में देखते थे, जहाँ हर कोई अन्य दूसरे के साथ जुड़ा हुआ है।

उपर्युक्त परिपेक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के सहयोग से 7 दिवसीय गांधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रस्ताव है जिसमें गांधी जीवन के विविध आयामों कोसंपूर्णता में समझा जा सके। विश्वविद्यालय के तीन बीज शब्दों में से एक 'महात्मा गांधी' की कर्मभूमि वर्धा विभिन्न विद्वानों, कार्यकर्त्ताओं, संस्थाओं के लिए प्रेरणा स्रोत रही है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम **तीन स्तरीय** होगा-

1.**विषय विशेषज्ञों द्वारा गांधी के निम्नलिखित पक्षों पर सहभागी चर्चा (Interactive Discussion) की जाएगी** -

- दार्शनिक दृष्टि
- सामाजिक दृष्टि
- ऐतिहासिक दृष्टि
- आर्थिक दृष्टि
- शैक्षिक दृष्टि
- औद्योगिक दृष्टि
- पर्यावरणीय दृष्टि
- सांस्कृतिक दृष्टि
- समकालीन विमर्शों में गांधी-दृष्टि

2. गांधीवादी संस्थानों का भ्रमण एवं उनके प्रयोगों को समझना –

इसके अंतर्गत निम्निलखित गांधीवादी संस्थानों के व्यावहारिक प्रयोगों को समझने एवं विश्लेषित करने का प्रयास होगा -

बापू कुटी – अहिंसक सामुदायिक जीवन, साझेपन एवं आत्म विकास की तलाश

Bapu Kuti – In search of nonviolent Community life, Sharing and Self-development

पवनार – स्त्री सशक्तिकरण की पुनर्रचना एवं परस्परावलंबी जीवन

Pavnar – Reconstruction of Women Empowerment and interdependence Life

मगन संग्रहालय – अहिंसक अर्थव्यवस्था की तलाश

Magan Sangrahalay – A quest for Nonviolent Economy

आनंद निकेतन – अहिंसक शिक्षा प्रयोग

Anand Niketan – Nonviolent Educational experiment

मेढ़ा लेखा – अहिंसक राजनीतिक परिवर्तन का संदेश

Medha Lekha – A message for Nonviolent Political Change

गोपुरी – रचनात्मक कार्यक्रम की प्रयोगभूमि

Gopuri – Constructive Programme

3.**प्रतिभागियों द्वारा रचनात्मक प्रस्तुति**

कार्यशाला विवरण

गांधी सिद्धांत एवं व्यवहार विषय पर आयोजित इस सात दिवसीय कार्यशाला हेतु शिक्षा, मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं संस्कृति संकाय से संबंद्ध विश्वविद्यालय/महविद्यालय के सहायक आचार्य स्तर के शिक्षक आमंत्रित हैं। अंतर-अनुशासनात्मक, बहु-अनुशासनात्मक के साथ भारतीय चिंतन में रुचि रखने वाले शिक्षक भी इस कार्यशाला हेतु आमंत्रित हैं। इस कार्यशाला हेतु अधिकतम 40 प्रतिभागियों को आमंत्रित किया जाएगा। प्रतिभागियों का चयन गांधी से संबंधित किसी विषय पर लेख सार के आधार पर किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को टिकट के मूल प्रति प्रस्तुत करने पर तृतीय श्रेणी वातानुकूलित रेलयान/बस के किराया (अधिकतम 5000/-) का भुगतान किया जाएगा।

लेख के लिए दिशानिर्देश

लेख सार 350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। लेख सार यूनिकोट फ़ॉन्ट में आकार 16 के साथ पाठ के लिए 1.5 रिक्ति सहित, शीर्षक, लेखक का नाम, पूरा पता, मोबाइल नंबर और ईमेल पता के साथ mkt1980@gmail.com अथवा event.mgfgcsw@gmail.com मेल पर भेजा जाना चाहिए। लेखक (ओं) को संदर्भों के लिए अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए) प्रारूप का पालन करना चाहिए। कार्यशाला के दौरान चयनित प्रतिभागियों को 4000-5000 शब्दों में पूर्ण आलेख प्रस्तुत करना होगा जिसे राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन से पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ

लेख सार तथा पंजीयन करने की अंतिम तिथि- 28.11.2019

चयनित प्रतिभागियों की अधिसूचना- 30.11.2019

संगोष्ठी संरक्षक:

प्रो. रजनीश शुक्ल, कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय, वर्धा

कार्यशाला निदेशक
प्रो. मनोज कुमार, अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,
वर्धा, महाराष्ट्र, 442001

कार्यशाला सह निदेशक
डॉ. गोपाल ठाकूर
विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग
समन्वयक: पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,
वर्धा, महाराष्ट्र, 442005

कार्यशाला संयोजक/ आयोजन सचिव
डॉ. मिथिलेश कुमार
महात्मा गांधी फ्यूज़ी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय,
वर्धा, महाराष्ट्र, 442005
मोबाइल- 9764969689, ई-मेल : mkt1980@gmail.com , event.mgfgcsw@gmail.com

Voucher Serial number-

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन

शिक्षा विद्यापीठ एवं महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

द्वारा आयोजित कार्यशाला

गांधी सिद्धांत एवं अभ्यास

17- 23 दिसम्बर 2019

पंजीयन प्रपत्र

नाम :	
पदनाम:	
विभाग:	
जेंडर:	
संस्थान:	
पता:	
मोबाईल:	
ई-मेल:	
आगमन विवरण	
प्रस्थान विवरण	
हस्ताक्षर	
विभाग प्रमुख का अग्रेषण	